मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3 **MVS–006**

एम. ए. (वैदिक अध्ययन) (एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.वी.एस.-006 : वेदाध्ययन परंपरा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। हिन्दी* ***अथवा*** *संस्कृत* ***अथवा*** *अंग्रेजी किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश—*अधोलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* 3×20=60

1. ऐतरेय ब्राह्मण में प्रतिपादित विषयों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

2. वेदाङ्ग साहित्य में ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

3. शाब्दी भावना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

4. स्वामी दयानन्द सरस्वती की वेदों पर भाष्यपद्धति का विस्तार से परिचय लिखिए।

5. मीमांसा दर्शन के अनुसार वेदों के स्वरूप को प्रतिपादित कीजिए।

6. अर्थवाद की परिभाषा पर विस्तृत विवेचन लिखिए।

खण्ड—ख

निर्देश—*निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

4×10=40

1. तैत्तिरीय ब्राह्मण के विषयों का वर्णन कीजिए।

2. गोपथ ब्राह्मण किस वेद से सम्बन्धित है ? इस ब्राह्मण में प्रतिपादित विषयों को लिखिए।

3. मैक्स मूलर के ऋग्वेदीय योगदान पर प्रकाश डालिए।

4. छन्दशास्त्र का संक्षेप में परिचय दीजिए।

5. प्रयोगविधि के विमर्श पर संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

6. महीधर भाष्यकार का परिचय लिखिए।

7. 'अपौरुषेयत्व' शब्द का क्या अर्थ है ? सारांश रूप में प्रतिपादन कीजिए।

× × × × ×